Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / e-mail : bbpsnd@yahoo.co.in
Website : http : www/bbpsnoida.com

## Workshop/Seminar Feedback Form

**Workshop/Seminar title:** **छात्रों की सृजनात्मकता का विकास**
**Workshop/Seminar Date:** 19.01.18-20.01.18 **Venue:** एमिटी स्कूल , नौएडा
**Attended by:** **रजनी गथानिया**
**Resource Person:** प्रथम दिवस- डॉ अखिलेश , श्री किरण गुप्ता
द्वितीय दिवस – डॉ अखिलेश , श्री किरण गुप्ता
**Organizer:** **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड निदेशालय**
**Profile of the Resource Person:** डॉ अखिलेश – सहयोगी डायरेक्टर (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड निदेशालय)
श्री किरण गुप्ता- प्रधानाचार्या केंद्रीय विद्यालय

### 1. Content of the Workshop/Seminar

**प्रथम दिवस - 19.01.18**

कार्यशाला के आरंभ में विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा डॉ अखिलेश तथा श्री किरण गुप्ता का स्वागत किया गया तथा दीप प्रज्ज्वलन द्वारा कार्यशाला का आरंभ किया गया | तत्पश्चात श्लोक-गायन किया गया व कविता के माध्यम से नई सोच और सृजनशीलता पर बल दिया |

- **प्रथम सत्र- विषय-विशेषज्ञ- श्री किरण गुप्ता**
  - विद्यार्थियों में सृजनशीलता बढ़ाने के नवीन प्रयोगों पर बल
  - सृजनशीलता का अर्थ विस्तारपूर्वक समझाया गया ।
  - बच्चों के अनुभवों को बाँटकर, सुनकर फिर नए कार्य पर बल देना
  - बच्चों की सोच को बहु-आयामी बनाएँ तथा लीक से हटकर चलने को प्रोत्साहित करें ।
  - शिक्षा के उद्देश्य को बदलना । शिक्षा को केवल कमाई का जरिया न बनने दें ।
  - बच्चों की सोच को सकारात्मक बनाएँ ।
- **द्वितीय सत्र- विषय-विशेषज्ञ- डॉ अखिलेश**
  - स्वयं का भीतरी , बाहरी तथा सामाजिक परिचय देना एवं रूचियों के विषय में बताना
  - बच्चों की कमियों के साथ-साथ विशेषताएँ बताने पर बल ।
  - किशोरावस्था में आ रहे शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों पर चर्चा / परिचर्चा
  - नकारात्मक व्यवहार न करने एवं सकारात्मक सोच के विकास पर विचार-विमर्श
  - नैतिक मूल्यों पर चर्चा / परिचर्चा Thinking slills , Social skills , Emotional skills के विकास पर वार्तालाप ।
  - भाषिक कौशलों के विकास पर बल
  - कोठारी आयोग द्वारा बनाए गए नियमों पर विचार-विमर्श
  - विदेशी भाषा एवं विदेशी चित्रों का प्रयोग न करने पर स्पष्टीकरण
  - मातृभाषा के सम्मान तथा भाषा संबंधी समस्याओं का समाधान धैर्य एवं प्रसन्नता से करने पर ज़ोर ।
  - भाषा शिक्षण अधिगम में होने वाली गलतियों के कारण जानने पर बल ।
  - धन्यवाद प्रकट करने हेतु हिंदी भाषी शब्दों के प्रयोग एवं चयन पर बल ।

**द्वितीय दिवस- 20.01.18**

- **प्रथम सत्र- विषय-विशेषज्ञ- डॉ अखिलेश**
  - हिंदी भाषा के शुद्ध लेखन एवं उच्चारण पर बल
  - विद्यार्थियों के स्तरानुसार भाषा के सहज एवं सरल रूप के प्रयोग पर बल
  - रटंत पद्धति के स्थान पर समझकर कार्य करने पर बल
  - बच्चों में अनबन होने पर दोनों पक्षों को ध्यानपूर्वक सुनकर समस्याओं के निदान करने पर बल .
  - विद्यार्थियों में तर्क शक्ति एवं जिज्ञासा के विकास पर विचार-विमर्श ।
  - नकल करने की प्रवृत्ति को रोकने तथा अनुशासन का विकास करने पर बल ।
- **द्वितीय सत्र- विषय-विशेषज्ञ- श्री किरण गुप्ता**
  - शिक्षक के गुणों पर दृष्टिपात तथा सृजनशील शिक्षक बनने पर बल ।
  - अब्राहम लिंकन का पत्र अपने पुत्र के शिक्षक के नाम – कविता का वाचन ।
  - अनुभवों का आदान-प्रदान तथा डॉ. सुशील गुप्त द्वारा कविता का वाचन ।
  - शिक्षक द्वारा नए-नए तरीकों की आजमाइश पर बल ।
  - छात्रों के साथ नवीन विषयों पर चर्चा करने तथा साझीदारी करने पर ज़ोर ।

- शिक्षण-पद्धति में पारदर्शिता तथा कर्तव्यपरायणता का निर्वाह करने पर बल ।
- भाषा की उच्चारण संबंधी समस्याओं के निराकरण पर विचार-विमर्श ।
- त्रुटि-विश्लेषण करना तथा उनका निदान प्रसन्नतापूर्वक करने पर ज़ोर ।
- मातृभाषा के महत्त्व का प्रतिपादन तथा उचित शब्द-चयन पर बल ।
- हिंदी भाषा की वर्तनी तथा व्याकरण संबंधी त्रुटियों के प्रभावी तत्वों पर चर्चा की गई
- भाषा की प्रकृति समझकर छात्रों के निवारण पर बल ।
- हिंदी भाषा की उपादेयता , रोज़गार के विविध अवसर , आजीविका में सहायक , हिंदी भाषा का सरलीकरण ।
- गद्य शिक्षण की विविध विधाओं की पर्याप्त जानकारी , पठन-पाठन द्वारा नैतिक मूल्यों का विकास , क्लिष्ट भाषा का प्रयोग न करने पर बल ।
- भाषा खेल के माध्यम से शिक्षण को रुचिकर व प्रभावशाली बनाने की युक्ति शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावशाली होगी ।
- भाषा के मानकीकरण की आवश्यकता पर बल , , बच्चों की संवेदनाओं को व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से जागृत करने के प्रयास पर बल , पाठ-योजना के महत्त्व का प्रतिपादन ।
- भाषा-शिक्षण में आगमन विधि के महत्त्व का प्रतिपादन , सामाजिक अनुभवों को कक्षागत वातावरण में शामिल किया जाना चाहिए । छात्र को स्वतंत्र निजी व्यक्तित्व का स्वामी मानकर शिक्षित करना चाहिए ।

**2. Learning outcomes (Knowledge and Information) from the workshop/Seminar?**

- सृजनशीलता का अर्थ विस्तारपूर्वक समझाया गया|
- छात्रों के अनुभवों को बाँटकर, सुनकर फिर नए कार्य पर बल देना|
- बच्चों की सोच को बहु-आयामी बनाएँ तथा लीक से हटकर चलने को प्रोत्साहित करें|
- शिक्षा के उद्देशय को बदलना| शिक्षा को केवल कमाई का जरिया न बनने दें |
- बच्चों की सोच को सकारात्मक बनाएँ |
- अभिनय के माध्यम से सृजनात्मकता को बढ़ावा दें |
- कविता वाचन करते समय सुर-ताल का ध्यान रखना|
- कविता वाचन व पठन-हेतु उचित वातावरण का निर्माण करना|
- समन्वय स्थापित करना |
- अलग-अलग ध्वनियों द्वारा कविता वाचन पर बल |
- विचारों में भावों की प्रधानता अवश्य होनी चाहिए |
- कविता में लय व संवेदना के जुडाव का महत्त्व|
- सृजन हेतु पठन की आवश्यकता |
- स्वानुभूति करना अनिवार्य है|
- प्रतिभा उभरने के लिए अभ्यास जरुरी है |
- सरल भाषा का प्रयोग करें जिससे वातावरण बोझिल न बने |
- बुद्धि व हृदय की भावनाओं का समन्वय आवश्यक |
- बच्चों के प्रश्नों के उत्तर सरलता व स्वाभाविकता से दें|
- बच्चों की मासूमियत को न मारें|

**3. Which topics or aspects of the workshop/Seminar did you find most interesting or useful and can be applied to the classroom teaching?**

- **<u>सृजनात्मकता को बढ़ावा देने के उपाय –</u>**
  - विज्ञापन में रंगों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए ।
  - अनुच्छेद लेखन में काव्य-पंक्तियों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए ।
  - पत्र-लेखन में दिनांक अब दाईं तरफ आएगी ।
  - बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करें|
  - कल्पनाशीलता को निखारने का मौका दें|
  - पाठ योजना का निर्माण ज़रूरी परन्तु लचीलापन रखें|
  - पठन और शोध पर ध्यान दें, अध्ययनशील बनने दें|
  - नवीन युक्तियों  का समावेश करें |
  - उचित परिवेश बनाने का अवसर प्रदान करें|
  - पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों पर कार्य कराएँ |
  - विषयों का एकीकरण करें|
  - विभिन्न विधाओं का प्रयोग करें|
  - बच्चों की जिज्ञासा की पुष्टि करें|
  - खेलों के माध्यम से पढ़ाएँ|
  - चुनौतियों का सामना करने के उचित अवसर प्रदान करें|
  - समसामयिक संदर्भों का उल्लेख |

**4. How will you implement the knowledge & techniques acquired to your subject?**

- कक्षागत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भाषा के शुद्ध स्वरूप से परिचित कराना तथा न केवल हिंदी साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न की जाए अपितु क्षेत्रीय व विदेशी भाषाओं की अनूदित कहानियों के पठन-पाठन संबंधी मार्गदर्शन भी देना। इसके अतिरिक्त प्रवासी भारतीयों के साहित्य को भी शामिल करना।
- भाषा के क्लिष्ट रूप को न अपनाकर उसके सरलतम बोलचाल के रूप को अपनाना तथा छात्रों की सहज
- अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना ।
- प्रश्नपत्र के निर्माण में छात्रों की योग्यता का ध्यान रखना तथा मूल्यांकन करते समय उनकी शिक्षक से भिन्न विचारधारा को भी मान्यता देना।

**5. Comments and suggestions (How do you think the workshop/Seminar could have been made more effective?)**

- समय-सीमा का ध्यान रखा जाना चाहिए ।
- शंकाओं के समाधान हेतु अतिरिक्त विस्तार पर न जाकर विषय पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए ।

**6. Was the advance briefing about the workshop/Seminar appropriate?**

- जी हाँ अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सफल एवं सक्षम

| **GENERAL FEEDBACK** | **YES** |
|---|---|
| • The workshop/Seminar was applicable to my job | ✓ |
| • I will recommend this workshop/Seminar for other faculty members. | ✓ |
| • The program was well paced within the allotted time | ✓ |
| • The material was presented in an organized manner | ✓ |
| • The resource person was a good communicator | ✓ |
| • The resource person was knowledgeable on the topic | ✓ |
| • I would be interested in attending a follow-up, more advanced workshop / Seminar on this same subject | ✓ |
| • I will be able to conduct follow up workshop for the benefit of fellow Staff Members | ✓ |

**GLIMPSES FROM THE WORKSHOP (Photographs with captions)**

**नव निर्माण की ओर**

**आओ हम सब पढ़ें-पढ़ाएँ**

**ज्ञान का प्रचार-प्रसार**

**Report submitted by**

Signature-

Name - Rajni gathania

Designation- T.G.T- HINDI

Submission Date – 22.01.18